भारतीय जनता पार्टी

(केन्द्रीय कार्यालय)

11, अशोक रोड, नई दिल्ली – 110001

फोन नं. : 23005700; **फैक्स** : 23005787

दिनांक : 11 मार्च 2014

सांसद और राज्य सभा में विपक्ष के उप नेता श्री रविशंकर प्रसाद का प्रेस वक्तव्य

राहुल गांधी के पास उनकी सरकार द्वारा उत्पन्न वर्तमान समस्याओं का कोई जवाब नहीं इसलिए इतिहास की गलत बयानी कर रहे हैं

2014 का चुनाव वर्तमान मुद्दों जैसे बेरोजगारी, देश की विकास दर के गिरकर 4.7 प्रतिशत पर आने, मूल्य वृद्धि, बढ़ता भ्रष्टाचार, जनता के धन की लूट, देश में गंभीर असुरक्षा की भावना और बाकी अन्य बुराईयों को लेकर लड़ा जाएगा। इनके कारण भारत की छवि को नुकसान पहुंचाया है और देश में निराशा का वातावरण बना है। भारत के लोग बदलाव चाहते हैं। राहुल गांधी के पास इन सभी सवालों का क्या जवाब है। उनके पास किसी का भी जवाब नहीं है, इसलिए लोगों का ध्यान बांटने के लिए उन्होंने महात्मा गांधी की हत्या के संबंध में आरएसएस पर पूरी तरह झूठा और नुकसान पहुंचाने वाला आरोप लगा दिया। न्यायाधीश कपूर आयोग सहित अनेक जांच आयोग काफी समय पहले यह स्पष्ट कर चुके हैं कि इन आरोपों में दम नहीं है। श्री राहुल गांधी को न तो इतिहास की समझ है और न ही उनका भाषण लिखने वाले अपना होमवर्क करते हैं।

महात्मा गांधी के पोते श्री राज मोहन गांधी ने सरदार पटेल की जीवनी लिखी है ''पटेल–अ लाइफ''। इस पुस्तक की पृष्ठ संख्या 472 में लेखक ने सरदार पटेल द्वारा जवाहरलाल नेहरु को 27.02.1948 को लिखे गए पत्र को उद्धृत किया है जो इस प्रकार हैः

''27.02.48 को पटेल ने नेहरु को लिखाः मैं बापू की हत्या के संबंध में चल रही जांच की प्रगति के बारे में लगभग रोजाना जानकारी लेता हूं। दिन की प्रगति के बारे में चर्चा करने के लिए मेरी अपनी अधिकतर शामें संजीवी (गुप्तचर प्रमुख ओर पुलिस महानिरीक्षक, दिल्ली) के साथ विचार–विमर्श करने और यदि कहीं जरुरत हो तो उन्हें निर्देश देने में बीतती हैं।

सभी आरोपी लंबे और विस्तृत बयान दे चुके हैं.....इन बयानों से यह बात स्पष्ट है कि आरएसएस इसमें किसी भी तरह शामिल नहीं था। वह हिन्दू महासभा की कोई कट्टरपंथी शाखा थी जिसने साजिश (के बारे में सोचा) की और इसे अंजाम दिया।''

अतः सरदार पटेल ने पूरी पुलिस जांच के आधार पर स्पष्ट तौर पर पुष्टि कर दी कि आरएसएस की इसमें कोई भूमिका नहीं थी। जाहिर है कांग्रेस हताश और निरुत्साहित है, आगामी चुनाव को लेकर उसके अंदर कोई उत्साह नहीं है अथवा उसे जन समर्थन मिलने की उम्मीद नहीं है, उसकी करारी हार निश्चित है। इसलिए वह इस तरह का झूठा आरोप लगा रही है और जान बूझकर नुकसान पहुंचाते हुए चुनाव प्रचार कर रही है लेकिन लोग इसे अस्वीकार कर देंगे।

नेहरु–गांधी की लंबी हुकूमत ने सरदार पटेल और मौलाना आजाद को भारत रत्न क्यों नहीं दिया?

चूंकि राहुल गांधी और कांग्रेस बहुत सा झूठा इतिहास बतला चुके हैं, अब समय आ गया है जब कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं से सामान्य तरीके से तथा राहुल गांधी से खासतौर से इतिहास के तथ्यों के बारे में जायज़ सवाल पूछे जाने चाहिए। सरदार पटेल और मौलाना आजाद दोनों ही महान भारतीय थे और देश की उल्लेखनीय सेवाओं के लिए वह भारत रत्न प्राप्त करने के हकदार थे। सरदार पटेल की 1950 में मृत्यु हो गई जबकि मौलाना आजाद का 1959 में निधन हो गया। भारत के आजाद होने के बाद जवाहर लाल नेहरु 17 साल तक प्रधानमंत्री रहे, इंदिरा गांधी 16 वर्ष और राजीव गांधी 5 वर्ष प्रधानमंत्री रहे। इन 38 वर्षों के दौरान श्री नेहरु और श्रीमती इंदिरा गांधी सहित अनेक राष्ट्रीय नेताओं को भारत रत्न दिया गया और उन्हें सही दिया गया।

लेकिन देश जानना चाहता है कि नेहरु–इंदिरा की लंबी हुकूमत ने भारत रत्न देने के लिए इन दो महान नेताओं सरदार पटेल और मौलाना आजाद को योग्य क्यों नहीं समझा। केवल श्री नरसिंह राव की सरकार ने 1991 में सरदार पटेल को और 1992 में श्री आजाद को भारत रत्न दिया। श्री राव परिवार के बाहर से प्रधानमंत्री बने थे और उनके बारे में कांग्रेस पार्टी में बहुत कम चर्चा होती है। भाजपा श्री राहुल गांधी से जानना चाहती है कि सरदार पटेल और मौलाना आजाद के साथ भेदभाव क्यों किया गया? जाहिर है कि आज की कांग्रेस पार्टी के लिए फ़ख़र और आदर का सूचक केवल एक परिवार है।

(इंजी. अरुण कुमार जैन)
कार्यालय सचिव